९ मैया मैं नहिं माखन खायो

कविता का सारांश

श्यामसुन्दर बोले- `मैया ! मैंने मक्खन नहीं खाया है । सुबह होते ही गायों के पीछे मुझे भेज देती हो।चार पहर भटकने के बाद साँझ होने पर वापस आता हूँ।मैं छोटा बालक हूँ मेरी बाहें छोटी हैं, मैं छींके तक कैसे पहुँच सकता हूँ? ये सब सखा मेरे से बैर रखते हैं, इन्होंने मक्खन जबरन मेरे मुख में लिपटा दिया। माँ तू मन की बड़ी भोली है, इनकी बातों में आ गई। तेरे दिल में जरूर कोई भेद है,जो मुझे पराया समझ कर मुझ पर संदेह कर रही हो। ये ले, अपनी लाठी और कम्बल ले ले, तूने मुझे बहुत नाच नचा लिया है। सूरदास जी कहते हैं कि प्रभु ने अपनी बातों से माता के मन को मोहित कर लिया. माता यशोदा ने मुसकराकर श्यामसुन्दर को गले लगा लिया ।

शब्दार्थ:

माखन	: मक्खन (दूध से बना पदार्थ)	**बरबस**	: जबरदस्ती
भोर	: प्रातः	**लपटायो**	: लगाना
गैयन	: गाय, गौ माता	**भोरी**	: भोली
पाछे	: पीछे	**पतियायो**	: विश्वास करना, सच समझ लेना
मधुबन	: ब्रजभूमि के एक वन का नाम।	**जिय**	: हृदय
बंसीवट	: बरगद का वह पेड़ जिसके नीचे श्रीकृष्ण वंशी बजाते थे।	**भेद**	: संशय, शंका
		उपजि	: उत्पन्न होना
साँझ	: साँयकाल, शाम, संध्या	**पराया**	: दूसरा
बहियन	: हाथ	**लकुटि**	: लाठी
छीको	: खूँटी आदि में लटकाया जाने वाला एक उपकरण	**कमरिया**	: कंबल
		बिहँसि	: हँसकर
ग्वाल	: अहीर, गोपालक	**उर**	: हृदय
बैर	: शत्रु, दुश्मन	**कंठ**	: गला

पाठ से

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए–

1. **मैं माखन कैसे खा सकता हूँ? इसके लिए श्रीकृष्ण ने क्या तर्क दिया?**

- **मुझे तुम पराया समझती हो ।**
- **मुझे यह लाठी-कंबल नहीं चाहिए।**
- **मेरी माता, तुम बहुत भोली हो ।**
- **मेरे छोटे-छोटे हाथ छींके तक कैसे जा सकते हैं? ★**

2. **श्रीकृष्ण माँ के आने से पहले क्या कर रहे थे?**

- **गाय चरा रहे थे।**
- **माखन खा रहे थे। ★**
- **मधुबन में भटक रहे थे।**
- **मित्रों के संग खेल रहे थे।**

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए और कारण बताइए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?

उत्तर:-

1. माँ यशोदा जब कृष्ण के मुँह पर माखन लगा देखकर उन्हें डाँटने लगती है तो वे छींके तक हाथ न पहुँचने का बहाना बनाते हैं।
2. माखन खा रहे थे यह विकल्प सही है क्योंकि पद्यांश की शुरुआत ही इस पंक्ति से हुई है- 'मैया मैं नहिं माखन खायो' अर्थात कृष्ण माँ से माखन न खाने की बात कर रहे हैं।

मिलकर करें मिलान

पाठ में से चुनकर यहाँ कुछ शब्द दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही अर्थ या संदर्भ से मिलाइए। इसके लिए आप शब्दकोश, इंटरनेट या अपने शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

स्तंभ 1	स्तंभ 2	उत्तर:
1. जसोदा	1. समय मापने की एक इकाई (तीन घंटे का एक पहर होता है। एक दिवस में आठ पहर होते हैं)।	1. 4
2. पहर	2. एक वट वृक्ष (मान्यता है कि श्रीकृष्ण जब गाय चराया करते थे, तब वे इसी वृक्ष के ऊपर चढ़कर वंशी की ध्वनि से गायों को पुकारकर उन्हें एकत्रित करते।	2. 1
3. लकुटि कमरिया	3. गोल पात्र के आकार का रस्सियों का बुना हुआ जाल जो छत या ऊँची जगह से लटकाया जाता है ताकि उसमें रखी हुई खाने-पीने की चीजों (जैसे- दूध, दही आदि) को कुत्ते, बिल्ली आदि न पा सकें।	3. 8
4. बंसीवट	4. यशोदा, श्रीकृष्ण की माँ, जिन्होंने श्रीकृष्ण को पाला था।	
5. मधुबन	5. जन्म देने वाली, उत्पन्न करने वाली, जननी, माँ।	4. 2
6. छीको	6. गाय पालने वालों के बच्चे, श्रीकृष्ण के संगी साथी ।	5. 7
7. माता	7. मथुरा के पास यमुना के किनारे का एक वन।	6. 3
8. ग्वाल-बाल	8. लाठी और छोटा कंबल, कमली (मान्यता है कि श्रीकृष्ण लकुटि-कमरिया लेकर गाय चराने जाया करते थे)	7. 5 8. 6

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपनी कक्षा में साझा कीजिए और अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

(क) "भोर भयो गैयन के पाछे, मधुबन मोहि पठायो"
उत्तर: श्रीकृष्ण माँ यशोदा से कहते हैं कि प्रात: होते ही तुम मुझे मधुबन में गौओं को चराने के लिए भेज देती हो ।

(ख) "सूरदास तब बिहँसि जसोदा, लै उर कंठ लगायो"।
उत्तर: सूरदास कहते हैं कि माँ यशोदा कृष्ण की बाते सुनकर हँस पड़ी और उन्हें गले से लगा लिया।

सोच-विचार के लिए

पाठ को एक बार फिर से पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर ढूँढ़कर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए-

(क) पद में श्रीकृष्ण ने अपने बारे में क्या-क्या बताया है?
उत्तर: इस पद में श्रीकृष्ण ने अपने बारे में निम्नलिखित बातें बताई हैं:

- माखन नहीं खाया: उन्होंने यशोदा माता से कहा कि उन्होंने माखन नहीं खाया है।
- मधुबन गए: उन्होंने बताया कि उन्हें भोर में गायों के पीछे मधुबन भेजा गया था।
- चार पहर भटकने: उन्होंने बताया कि वे चार पहर तक बंसीवट में भटकते रहे।
- छोटा बालक होने का नाटक: उन्होंने कहा कि वे छोटे बालक हैं और कुछ भी नहीं जानते।

(ख) यशोदा माता ने श्रीकृष्ण को हँसते हुए गले से क्यों लगा लिया?
उत्तर: श्रीकृष्ण की मासूमियत और शरारतें देखकर यशोदा माता को हँसी आती है इसलिए माता यशोदा प्रसन्न होकर उन्हें अपने गले लगा लेती हैं।

कविता की रचना

'भोर भयो गैयन के पाछे, मधुबन मोहि पठायो ।
चार पहर बंसीवट भटक्यो, साँझ परे घर आयो ।।
इन पंक्तियों के अंतिम शब्दों को ध्यान से देखिए ।

'पठायो' और 'आयो' दोनों शब्दों की अंतिम ध्वनि एक जैसी है। इस विशेषता को 'तुक' कहते हैं। इस पूरे पद में प्रत्येक पंक्ति के अंतिम शब्द का तुक मिलता है। अनेक कवि अपनी रचना को प्रभावशाली बनाने के लिए तुक का उपयोग करते हैं।

(क) इस पाठ को एक बार फिर से पढ़िए और अपने - अपने समूह में मिलकर इस पाठ की विशेषताओं की सूची बनाइए, जैसे इस पद की अंतिम पंक्ति में कवि ने अपना नाम भी दिया है आदि ।

उत्तर: निम्नलिखित विशेषताओं की सूची:

- यह पद श्रीकृष्ण की बचपन की एक प्रसिद्ध लीला को दर्शाता है, जिसमें वे माखन खाने की शरारत करते हुए पकड़े जाते हैं।
- यह पद प्रसिद्ध कवि सूरदास जी द्वारा लिखा गया है। उनकी भक्ति भावना और सरल भाषा इस पद में स्पष्ट दिखाई देती है।
- पद में माँ और बच्चे के बीच के प्यार को खूबसूरती से दर्शाया गया है। यशोदा माता अपने बेटे श्रीकृष्ण से बहुत प्यार करती हैं और उनकी शरारतों को भी क्षमा कर देती हैं।
- पद में ब्रज भाषा का प्रयोग किया गया है जो उस समय उत्तर भारत में बोली जाती थी। यह भाषा भक्ति काव्य के लिए बहुत प्रसिद्ध थी।
- पद में भावुकता का पुट है। श्रीकृष्ण की मासूमियत और यशोदा माता का प्यार पाठक को भावुक कर देता है।
- यह पद हिंदू धर्म के भक्तों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह श्रीकृष्ण भगवान के जीवन की एक झलक प्रस्तुत करता है।
- इस पद पर कई भजन और गीत बनाए गए हैं। यह पद संगीत के माध्यम से भी बहुत लोकप्रिय हुआ है।
- यह पद बच्चों को नैतिक मूल्यों जैसे कि सच्चाई बोलना, माता-पिता का आदर करना आदि सिखाता है।
-

(ख) अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए ।

उत्तर: स्वयं करें।

अनुमान या कल्पना से

अपने समूह में मिलकर चर्चा कीजिए-

(क) श्रीकृष्ण अपनी माँ यशोदा को तर्क क्यों दे रहे होंगे?

उत्तर: श्रीकृष्ण अपनी माँ यशोदा को तर्क इसलिए दे रहे होंगे क्योंकि उन्होंने माखन खाया था, लेकिन इस बात को छिपाने की कोशिश कर रहे थे। बचपन में बच्चे अक्सर अपनी शरारतों को छिपाने की कोशिश करते हैं। उन्हें डर था कि माँ उन्हें डांटेगी या सजा देगी।

(ख) जब माता यशोदा ने श्रीकृष्ण को गले से लगा लिया, तब क्या हुआ होगा?

उत्तर: जब माता यशोदा ने श्रीकृष्ण को गले से लगा लिया होगा, तब माँ का प्यार पाकर श्रीकृष्ण शांत हो गए होंगे और उन्हें लगा होगा कि माँ ने उनकी शरारत को माफ कर दिया है।

शब्दों के रूप

नीचे शब्दों से जुड़ी कुछ गतिविधियाँ दी गई हैं। इन्हें करने के लिए आप शब्दकोश, अपने शिक्षकों और साथियों की सहायता भी ले सकते हैं।

(क) "भोर भयो गैयन के पाछे"

इस पंक्ति में 'पाछे' शब्द आया है। इसके लिए 'पीछे' शब्द का उपयोग भी किया जाता है। इस पद में ऐसे कुछ और शब्द हैं जिन्हें आप कुछ अलग रूप में लिखते और बोलते होंगे। नीचे ऐसे ही कुछ अन्य शब्द दिए गए हैं। इन्हें आप जिस रूप में बोलते लिखते हैं, उस प्रकार से लिखिए ।

- **परे** : पर
- **छोटो** : छोटा
- **बिधि** : प्रकार
- **भोरी** : प्रातःकाल
- **कछु** : कुछ
- **लै** : लेना
- **नहिं** : नहीं

(ख) पद में से कुछ शब्द चुनकर नीचे स्तंभ 1 में दिए गए हैं और स्तंभ 2 में उनके अर्थ दिए गए हैं। शब्दों का उनके सही अर्थों से मिलान कीजिए-

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. उपजि	1. मुसकाई, हँसी
2. जानि	2. उपजना, उत्पन्न होना
3. जायो	3. जानकर, समझकर
4. जिय	4. विश्वास किया, सच माना
5. पठायो	5. बाँह हाथ, भुजा
6. पतियायो	6. प्रकार, भाँति, रीति
7. बहियन	7. मन, जी
8. बिधि	8. जन्मा
9. बिहँसी	9. मला लगाया, पोता
10. भटक्यो	10. इधर-उधर घूमा या भटका
11. लपटायो	11. भेज दिया

वर्ण-परिवर्तन

"तू माता मन की अति भोरी'

'भोरी' का अर्थ है 'भोली'। यहाँ 'ल' और 'र' वर्ण परस्पर बदल गए हैं। आपने ध्यान दिया होगा कि इस पद में कुछ और शब्दों में भी 'ल' या 'ड़' और 'र' में वर्ण परिवर्तन हुआ है। ऐसे शब्द चुनकर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

उत्तर: जैसे- 'पड़े' के स्थान पर 'परे' का प्रयोग ।

पंक्ति से पंक्ति

नीचे स्तंभ 1 में कुछ पंक्तियाँ दी गयी हैं और स्तंभ 2 में उनके भावार्थ दिए गए हैं। रेखा खींचकर सही मिलान कीजिए।

स्तंभ 1	स्तंभ 2	उत्तर.
1. भोर भयो गैयन के पाछे, मधुबन मोहि पठायो। 2. चार पहर बंसीवट भटक्यो, साँझ परे घर आयो। 3. मैं बालक बहिंयन को छोटो, छीको केहि बिधि पायो। 4. ग्वाल-बाल सब बैर परे हैं, बरबस मुख लपटायो। 5. तू माता मन की अति भोरी, इनके कहे पतियायो। 6. जिय तेरे कछु भेद उपजि है, जानि परायो जायो।	1. मैं छोटा बालक हूँ, मेरी बाँहें छोटी हैं, मैं छीकें तक कैसे पहुँच सकता हूँ? 2. तेरे हृदय में अवश्य कोई भेद है, जो मुझे पराया समझ लिया । 3. माँ तुम मन की बड़ी भोली हो, इनकी बातों में आ गई हो। 4. सुबह होते ही गायों के पीछे मुझे मधुबन भेज दिया। 5. चार पहर बंसीवट में भटकने के बाद साँझ होने पर घर आया। 6. ये सब सखा मुझसे बैर रखते हैं, इन्होंने मक्खन हठपूर्वक मेरे मुख पर लिपटा दिया।	1. 4 2. 5 3. 1 4. 6 5. 3 6. 2

पाठ से आगे

आपकी बात

" मैया मैं नहिं माखन खायो "

यहाँ श्रीकृष्ण अपनी माँ के सामने सिद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं कि उन्होंने माखन नहीं खाया है। कभी-कभी । हमें दूसरों के सामने सिद्ध करना पड़ जाता है कि यह कार्य हमने नहीं किया। क्या आपके साथ भी कभी ऐसा हुआ है? कब ? किसके सामने ? आपने अपनी बात सिद्ध करने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए? उस घटना के बारे में बताइए।

उत्तर: छात्र / छात्राएँ स्वयं करें।

घर की वस्तुएँ

"मैं बालक बहियन को छोटो, छीको केहि बिधि पायो । " 'छींका' घर की एक ऐसी वस्तु है जिसे सैकड़ों वर्ष से भारत में उपयोग में लाया जा रहा है।

नीचे कुछ और घरेलू वस्तुओं के चित्र दिए गए हैं। इन्हें आपके घर में क्या कहते हैं? चित्रों के नीचे लिखिए। यदि किसी चित्र को पहचानने में कठिनाई हो तो आप अपने शिक्षक, परिजनों या इंटरनेट की सहायता भी ले सकते हैं।

आप जानते ही हैं कि श्रीकृष्ण को मक्खन बहुत पसंद था। दूध से दही, मक्खन बनाया जाता है और मक्खन से घी बनाया जाता है। नीचे दूध घी बनाने की प्रक्रिया संबंधी कुछ चित्र दिए गए हैं। अपने परिवार के सदस्यों, शिक्षकों या इंटरनेट आदि की सहायता से दूध से घी बनाने की प्रक्रिया लिखिए ।

उत्तर:

- गाय: सर्वप्रथम गाय दूध निकाल के देती हैं।
- ग्वाला: ग्वाला हमें दूध देने आता हैं।
- दूध को उबालें: सबसे पहले ताजा दूध को किसी बर्तन में डालकर उबाल लें। उबालते समय दूध फूटने लगेगा, इसलिए ध्यान रखें।
- मलाई निकालें: दूध ठंडा होने पर ऊपर की मलाई को निकाल लें।
- मक्खन बनाएं: मलाई को एक मजबूत बर्तन में डालकर चम्मच से लगातार फेंटते रहें। कुछ देर बाद मक्खन अलग हो जाएगा।
- छाछ निकालें: मक्खन को कपड़े में बांधकर निचोड़ें। छाछ अलग हो जाएगी और मक्खन साफ हो जाएगा।
- घी बनाएं: मक्खन को एक पैन में डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। मक्खन पिघलने लगेगा और उसमें से पानी निकलने लगेगा। पानी पूरी तरह सूख जाने पर घी बनकर तैयार हो जाएगा।
- घी को ठंडा करें: घी को ठंडा होने के लिए किसी साफ बर्तन में निकाल लें।

समय का माप

"" चार पहर बंसीवट भटक्यो, साँझ परे घर आयो।।"

(क) 'पहर' और 'साँझ' शब्दों का प्रयोग समय बताने के लिए किया जाता है। समय बताने के लिए और कौन-कौन से शब्दों का प्रयोग किया जाता है? अपने समूह में मिलकर सूची बनाइए और कक्षा में साझा कीजिए ।

(संकेत- कल, ऋतु, वर्ष, अब पखवाड़ा, दशक, वेला अवधि आदि)

उत्तर:समय बताने के लिए कुछ शब्द:

- छोटे अंतराल: क्षण, पल, झटपट
- दिन के समय: सुबह, दोपहर, शाम, रात, भोर, सायंकाल, मध्याह्न
- बड़े अंतराल: दिन, सप्ताह, पखवाड़ा, महीना, वर्ष, दशक, शताब्दी
- अन्य: अवधि, वेला, कल, परसों, नकल, ऋतु

(ख) श्रीकृष्ण के अनुसार वे कितने घंटे गाय चराते थे?

उत्तर: दस से बारह घंटे ।

(ग) मान लीजिए वे शाम को छह बजे गाय चराकर लौटे। वे सुबह कितने बजे गाय चराने के लिए घर से निकले होंगे?

उत्तर: पाँच-छह बजे के बीच में।

(घ) 'दोपहर' का अर्थ है 'दो पहर' का समय। जब दूसरे पहर की समाप्ति होती है और तीसरे पहर का प्रारंभ होता है। यह लगभग 12 बजे का समय होता है, जब सूर्य सिर पर आ जाता है। बताइए दिन के पहले पहर का प्रारंभ लगभग कितने बजे होगा?

उत्तर: सुबह के छह बजे से नौ बजे तक पहला पहर होता है।

हम सब विशेष हैं

(क) महाकवि सूरदास दृष्टिबाधित थे। उनकी विशेष क्षमता थी उनकी कल्पना शक्ति और कविता रचने की कुशलता । हम सभी में कुछ न कुछ ऐसा होता है जो हमें सबसे विशेष और सबसे भिन्न बनाता है।
नीचे दिए गए व्यक्तियों की विशेष क्षमताएँ क्या हैं, विचार कीजिए और लिखिए-

- **आपकी:** मैं बहुत अच्छी तरह किताबें पढ़ सकता हूँ।
- **आपके माता-पिता:** हो सकता है आपकी माँ बहुत अच्छा खाना बनाती हो या आपका पिता बहुत अच्छा गाड़ी चलाता हो।
- **आपके भाई-बहन:** शायद आपका भाई बहुत अच्छा गणित करता हो या आपकी बहन बहुत अच्छी तरह नाचती हो।
- **आपके शिक्षक:** हो सकता है आपका शिक्षक बहुत अच्छा पढ़ाता हो या बहुत अच्छे से विज्ञान के प्रयोग करता हो।
- **आपका मित्र:** शायद आपका मित्र बहुत अच्छा दोस्त है या बहुत अच्छा मजाक करता है।

(ख) एक विशेष क्षमता ऐसी भी है जो हम सबके पास होती है। वह क्षमता है सबकी सहायता करना, सबके भले के लिए सोचना । तो बताइए, इस क्षमता का उपयोग करके आप इनकी सहायता कैसे करेंगे-

- **एक सहपाठी पढ़ना जानता है और उसे एक पाठ समझ में नहीं आ रहा है।**
  उत्तर: उसे समझाना।
- **एक सहपाठी को पढ़ना अच्छा लगता है और वह देख नहीं सकता।**
  उत्तर: उसे पढ़कर समझाना एवं ब्रेल लिपि से पढ़ने हेतु प्रेरित करना ।
- **एक सहपाठी बहुत जल्दी-जल्दी बोलता है और उसे कक्षा में भाषण देना है।**
  उत्तर: उसे अभ्यास करवाना कि सहजता से बोले ।
- **एक सहपाठी बहुत अटक अटक कर बोलता है और उसे कक्षा में भाषण देना है।**
  उत्तर: बार-बार अभ्यास करवाना।
- **एक सहपाठी को चलने में कठिनाई है और वह सबके साथ दौड़ना चाहता है।**
  उत्तर: उसका साहस बढ़ाना, हाथ पकड़कर दौड़ने में मदद करना या स्वयं धीरे-धीरे उसके साथ दौड़ना।
- **एक सहपाठी प्रतिदिन विद्यालय आता है और उसे सुनने में कठिनाई है।**
  उत्तर: उसे लिखकर समझाना।

आज की पहेली

दूध से मक्खन ही नहीं बल्कि और भी बहुत कुछ बनाया जाता है। नीचे दूध से बनने वाली कुछ वस्तुओं के चित्र दिए गए हैं। दी गई शब्द पहेली में उनके नाम के पहले अक्षर दे दिए गए हैं। नाम पूरे कीजिए-

उत्तर: खोवा, दही, मलाई, मिठाई, छाछ, मट्ठा, लस्सी, घी, पनीर, आईसक्रीम।

खोजबीन के लिए

सूरदास द्वारा रचित कुछ अन्य रचनाएँ खोजें व पढ़ें।

उत्तर: सूरदास की कुछ अन्य रचनाएँ इस प्रकार हैं:

- **सूरसारावली**: यह सूरदास की एक छोटी रचना है जिसमें उन्होंने कृष्ण के बाल लीलाओं का वर्णन किया है।
- **साहित्य लहरी**: इस रचना में सूरदास ने राधा-कृष्ण के प्रेम का वर्णन किया है।
- **सूरसागर**: यह सूरदास की सबसे बड़ी रचना है और इसमें कृष्ण के जीवन के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन मिलता है।
- **सूर पंचपात्री**: यह सूरदास की एक छोटी सी रचना है जिसमें उन्होंने कृष्ण के पांच रूपों का वर्णन किया है।